पार्वती पंचक स्तोत्रं

घराधरेन्द्र नन्दिनी शशंक मालि संगिनी, सुरेश शक्ति वर्धिनी
नितान्तकान्त कामिनी।
निशा चरेन्द्र मर्दिनी त्रिशूल शूल धारिणी, मनोव्यथा विदारिणी
शिव तनोतु पार्वती ।

भुजंग तल्प शामिनी महोग्रकान्त भागिनी, प्रकाश पुंज दायिनी
विचित्र चित्र कारिणी।
प्रचण्ड शत्रु धर्षिणी दया प्रवाह वर्षिणी, सदा सुभग्य दायिनी
शिव तनोतु पार्वती। ।

प्रकृष्ट सृष्टि कारिका प्रचण्ड नृत्य नर्तिका , पनाक पाणिधारिका
गिरिश ऋग मालिका।
समस्त भक्त पालिका पीयूष पूर्ण वर्षिका, कुभाग्य रेख मर्जिका
शिव तनोतु पार्वती ।

तपश्चरी कुमारिका जगत्परा प्रहेलिका, विशुद्ध भाव साधिका
सुधा सरित्प्रवाहिका।
प्रयत्न पक्ष पौसिका सदार्धि भाव तोषिका, शनि ग्रहादि तर्जिका
शिव तनोतु पार्वती ।

शुभंकरी शिवंकरी विभाकरी निशाचरी, नभश्चरी धराचरी समस्त
सृष्टि संचरी ।
तमोहरी मनोहरी मृगांक मालि सुन्दरी, सदोगताप संचरी,शिवं
तनोतु पार्वती।।

eAstroHelp